APRIL TO JUNE 2017-18

इंदिरा किसान मितान (अप्रैल,मई, जून)2017

आगामी तीन माह की गतिविधियाँ

प्रक्षेत्र परीक्षण

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	धान	राजेश्वरी	धान की कतार बोनी में फसल प्रबंधन का आकलन	0.8	04
2.	सोयाबीन	जे.एस.9752	सोयाबीन में खरपतवार प्रबंधन का आकलन	0.8	04
3.	सोयाबीन	जे.एस.9752	रेज्ड बेड प्लान्टर से सोयाबीन की कतार बोवाई का आकलन	0.8	04
योग				2.4	12

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	धान	इंदिरा महेश्वरी	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
2.	धान	इंदिरा महेश्वरी	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
3.	सोयाबीन	जे.एस.97-52	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
4.	सोयाबीन	जे.एस.97-52	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
योग					

समूह प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	अरहर	आशा	60	150
2.	सोयाबीन	जे.एस. 97-52 जे.एस. 95-60	5.0	125
योग				

कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	4	1	90
2.	पौध संरक्षण	4	1	80
3.	मत्स्यकी	4	1	85
4.	कृषि अभियांत्रिकी	4	1	82
योग		16	4	337

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभार्थी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	10	60
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	100	100
योग	110	160

बीजोत्पादन कार्यक्रम खरीफ -17

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	सोयाबीन	जे.एस. 97-52	प्रजनक	5.0
2.	अरहर	राजीवलोचन	आधार	2.0
3.	मुंग	पैगीमुंग	प्रजनक	1.0
योग				8.0

प्रक्षेत्र मे गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	गन्ना	co- 86032	आधार	0.4
2.	गन्ना	co-94008	आधार	0.4
3.	गन्ना	coc-671	आधार	0.4
4.	गन्ना	co-99004	आधार	0.4
5.	गन्ना	co-85004	आधार	0.4
योग				2.0

प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

चना समूह प्रदर्शन का निरिक्षण

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
पिन-491995
फोन/फैक्स 07741-299124
E-mail: kvkkawardha@yahoo.in

बुक-पोस्ट
भारत शासन सेवार्थ

प्रति,
श्री/श्रीमती/डॉ. .....
.....
.....

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

उन्नत कृषि — समृद्ध किसान

इंदिरा किसान मितान
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

अंक-26 | त्रैमासिक पत्रिका, अप्रैल, मई, जून 2017 | वर्ष-10

संपादक मंडल

संरक्षक : डॉ. एस.के.पाटिल
कुलपति
इंदिरा गांधी कृषि
विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक : डॉ. एम.पी.ठाकुर
निदेशक विस्तार सेवाएँ,
इं.गां.कृ.वि.रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत : डॉ. अनुपम मिश्रा
निदेशक- ICAR-ATARI
जोन-9 जबलपुर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं प्रधान संपादक :
डॉ. बी.पी.त्रिपाठी
प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

संपादक : श्री बी.एस.परिहार
सस्य विज्ञान

सह संपादक :
इं.टी.एस.सोनवानी
कृषि अभियांत्रिकी
कु.मनीषा खापर्डे
मात्स्यिकी
श्री वाई.के. कौशिक
कार्यक्रम सहायक

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा दिनांक 11.01.2017 को बोड़ला ब्लाक के आमानारा ग्राम पंचायत में वृहत् प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. बी. पी. त्रिपाठी, कार्यक्रम समन्वयक ने बताया कि इस प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को दलहन तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना है। ज्ञात हो कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय तिलहन योजनांतर्गत ग्राम पंचायत आमानारा विकासखण्ड बोड़ला में 75 एकड़ में सरसों का अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन का कार्यक्रम लिया गया है। जिसमे किसानों को उत्तम प्रजाति का बीज छ.ग. सरसों एवं सरसों उत्पादन के समन्वित पौध सुरक्षा तकनीकि भी प्रदाय की गई है जिससे किसानों को तिलहन उत्पादन के प्रति रूझान बढ़ सके। इस अवसर पर आमानारा ग्राम पंचायत के 200 से अधिक कृषकों को उन्नत तकनीकी की जानकारी दी गई।

प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा दिनांक 15.02.2017 को ग्राम चिलमखोदरा विकासखण्ड, सहसपुर लोहारा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कृषि विज्ञान कवर्धा, द्वारा आदिवासी उपयोजना अन्तर्गत दीर्घकालीन उर्वरक का उपयोग पर फसल चना का प्रदर्शन कार्यक्रम लिया गया है जिसके तहत ग्राम चिलमखोदरा में कृषकों को चना प्रजाति JAKI- 9218 का 15 एकड़ में प्रदर्शन दिया गया जिसका उद्देय कृषक उचित अनुपात में उर्वरक का उपयोग कर पैदावार एवं अपनी आय में बढ़ोतरी कर सके इस अवसर पर ग्राम चिलमखोदरा के 100 से अधिक किसानों सहभागिता रही।

पौध किस्म व कृषक अधिकार संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा जिले में पाये जाने वाले बहुमूल्य जैव विविधता को संरक्षित करने एवं किसानों को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करने एक दिवसीय कृषक जागरूकता एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संतोष पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला- कबीरधाम तथा अध्यक्षता श्रीमति निरूपमा चंद्राकर, सदस्य प्रबंध मंडल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर विशिष्ट अतिथि श्री अजीत चंद्रवंशी, सदस्य, कृषक कल्याण परिषद छ.ग. शासन, श्रीमति सुषमा चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य, श्री राकेश शर्मा, जिला भाजपा उपाध्यक्ष, जिला- कबीरधाम, कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा, के वैज्ञानिक एवं जिले के लगभग 150 कृषकों की सहभागिता में समपन्न हुआ। जिलें से अभी तक कुल 43 कृषकों ने अपनी पुरानी एवं परम्परागत प्रजातियों के संरक्षित हेतु पंजीयान कराया गया है परन्तु अब इसके प्रति किसानों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जायेगा जिससे कृषक की अनमोल धरोहर को विलुप होने से बचाया जा सके।

APRIL TO JUNE 2017-18

विगत तीन माह की गतिविधियाँ

प्रक्षेत्र परीक्षण

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	प्याज	भीमा शक्ति	प्याज की उन्नत किस्म का आकलन	0.4	04
2.	चना,गेहूँ प्याज	जे.जी.-14,रतन, भीमा शक्ति	सुनिश्चित सिंचाई अंतर्गत सोयाबीन आधार फसल पद्धति का आकलन	2.4	04
3.	गेहूँ	रतन	सेल्फ प्रोपेल्ड वरटीकल कनवेयर रीपर द्वारा गेहूँ की कटाई का आकलन	1.0	05
4.	मछली	कतला,रोहू,मृगल	मछली उत्पादन का आकलन	0.8	09
5.	चना	जे.जी.-14	चने की इल्लियों के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रबंधन का आकलन	0.8	04
6.	धान एवं गन्ना	ट्राईकोडर्मा विरडी	धान एवं गन्ना के उप उत्पादों का ट्राईकोडर्मा द्वारा विघटन का आकलन	-	04
7.	चना	जे.जी.-14	चने मे कालर राट के नियंत्रण हेतु ट्राईकोडर्मा के प्रभाव आकलन	-	04
8.	मुर्गी	कडकनाथ	बैक्यार्ड पद्धति से मुर्गी पालन का आकलन	50 नग	04
9.	बटेर	कुटुरनिक्स कुटुर निक्स जपोनिका	बैक्यार्ड पद्धति से बटेर पालन का आकलन	100 नग	04
योग				5.4	42

प्रक्षेत्र परीक्षण (आत्मा योजना अंतर्गत)

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	गन्ना	सी.ओ.-95012	गन्ने में अंतरवर्तीय फसल का आकलन	0.4	04
योग				0.4	04

समूह फसल प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	चना	जे.जी.-226	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	40	100
2.	अलसी	दीपिका,कार्तिका	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	10	25
3.	मसुर	हल - 57	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	15	37
4.	सरसो	छत्तीसगढ़ सरसो	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	14	35
5.	तोरिया	उत्तरा	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	16	40
योग				95	237

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत)

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	चना	वैभव	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	28	70
योग				28	70

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभार्थी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	20	60
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	80	80
प्रक्षेत्र दिवस	03	300
पशु स्वास्थ्य शिविर	01	100
योग	104	540

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	अरबी	इंदिरा अरबी 1	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	0.4	04
2.	चना	जे.जी.-14	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	05	12
3.	गेहूँ	रतन	सीड कम फर्टीलाइजर द्वारा गेहूँ की बुवाई का प्रदर्शन	05	12
4.	मछली	कतला,रोहू,मृगल	मिश्रित मछली पालन का प्रदर्शन	1.0	10
5.	मछली	कतला,रोहू,मृगल खाकी कैम्बल	मछली सह बत्तख पालन का प्रदर्शन	1.0	12
6.	गन्ना	सी.ओ.-86032	लाल सड़न रोग के रोकथाम हेतु रासायनिक दवाओ के प्रभाव का प्रदर्शन	05	12
7.	गाय	नीम एवं करंज तेल	नीम एवं करंज तेल का बाह्य परजीवी नाशक के रूप के प्रभाव का प्रदर्शन	12 पशु	12
8.	अजोला	अजोला पिन्नाटा	अजोला उत्पादन एवं पशु आहार के रूप में उपयोग का प्रदर्शन	12 पशु	12
9.	मशरूम	आयस्टर मशरूम	आयस्टर मशरूम उत्पादन तकनीक का प्रदर्शन	50 बैग	05
योग				17.4	91

कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	4	1	90
2.	पौध संरक्षण	4	1	88
3.	उद्यानिकी	4	1	87
4.	मृदा विज्ञान	4	1	86
5.	पशुपालन	4	1	84
6.	मत्स्यकी	4	1	83
7.	कृषि अभियांत्रिकी	4	1	82
योग		28	7	600

बीजोत्पादन कार्यक्रम 2016 -17

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)
1.	चना	जे.जी.-14	आधार	4.0
2.	चना	जे.जी.-226	आधार	3.4
3.	गेहूँ	रतन	प्रमाणित	2.0
योग				9.4

गेहूँ की काप कैफेटेरिया

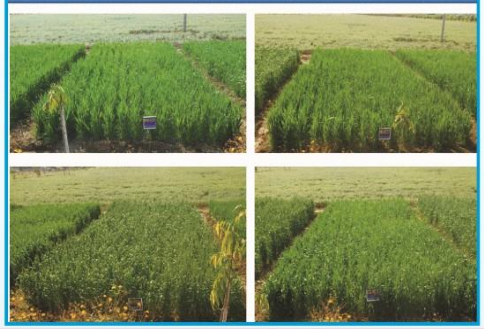

अप्रैल

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- मृदा संरचना में सुधार हेतु अकरस जुताई का कार्य करें।
- गन्ने की पेड़ी फसल से तना बेधक का प्रकोप होने पर फोरेट 10 जी दानेदार दवा का 10 किलो प्रति हेक्टे.की दर से उपयोग करें।
- गन्ने की शीतकालीन फसल में नत्रजन की शेष मात्रा का छिड़काव करें एवं मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।

उद्यानिकी

- टमाटर,मिर्च, बैगन, भिण्डी तथा बरबट्टी आदि सब्जियों के बीज तैयार करने का उचित समय है।
- सब्जी लगाने हेतु खेत की गहरी जुताई करें। उसे खाली छोड़ दे साथ ही पॉलीथीन से ढ़क भी सकते है जिससे मृदा जनित खरपतवार तथा बीमारी व कीड़े के अण्डे भर जाये।
- आम नींबू वर्गीय एवं अन्य फसलों में सिंचाई प्रबंधन करें।
- गुलाब की क्यारियों और गमलों में 3-4 दिन के अंतराल में पानी देते रहें और महीने में एक बार कीटणुनाशक दवाइयों का छिड़काव करें।
- कद्दूवर्गीय फसलों में लाल भृंग फल मक्खी कीटो के नियंत्रण हेतु बीज बुआई के पहले कार्बोरिल 10 प्रतिशत जे.जी. गड्ढो में मिलाना चाहिए।

पशुपालन

- पशुओं को पेट के कीड़ो की दवाई नियमित दें।
- पशुओं का बिछावन समय समय पर बदलवाते रहें।
- दुधारू पशुओं के थनैला रोग से बचाव के उपाय करें।
- पशु के सम्पूर्ण विकास के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम दें।
- पशुओ को गर्मी से बचाव हेतु उपयुक्त उपाय करें।

मई

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- भूमि जनित रोगो के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्ठी पलटने वाले हल से करें।
- गेहूँ के बीजो को धूप में लगभग 6 घंटे तक पक्के फर्श पर सुखाकर भण्डारित करें।
- मृदा संरचना सुधार हेतु अकरस जुताई करें एवं कार्बनिक खाद खेतों में वितरित करें।
- गन्ना में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।
- फसलों में दीमक तथा भूमिगत कीटों के नियंत्रण हेतु फ्लोर पायरीकास 1.5 प्रतिशत चूर्ण को 20-25 किलो प्रति हेक्टे. की दर से मिट्टी में मिलायें तथा गुड़ाई करें।

उद्यानिकी

- तैयार लॉन से खरपतवार निकाल कर सफाई करनी चाहिए और पौधों को पानी देना चाहिए।
- हल्दी, घुइयाँ, अदरक हेतु खेत की तैयारी करें एवं बुवाई करें।
- वर्षाकालीन सब्जियों की बुवाई की तैयारी करें।
- आम, बेल ,अनानास रबेर, का मुख्वा, चटनी, अचार एवं सब्जियों को सुखाने का कार्य करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई पॉलीथीन बैग में करें।

पशुपालन

- गाय व भैस के गर्मी में आने पर उत्तम नस्ल के सांड से समय पर गाभीन करवाये।
- ब्याने वाले पशुओं का विशेष ध्यान रखते हुए अन्य पशुओ से अलग रखे।
- पशुशाला की सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- नवजात बछड़े एवं बछड़ियों को अंत: परजीवि एवं बाहय परजीवि नाशक दवाई पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित देवें।

जून

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- बुवाई पूर्व जुताई कार्य करें ताकि वितरित किए गए कार्बनिक खाद का मृदा में उचित मिश्रण हो सके।
- सोयाबीन एवं अरहर के लिए जमीन की तैयारी कर बुवाई करें।
- दलहनी फसलों को बुवाई के पूर्व फफूंदनाशक दवा एवं राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करें।
- धान के बीजों को 17 प्रतिशत नमक के घोल में डाल कर ठोस बीजों का चुनाव करें तथा चयनित बीजों को दो बार स्वच्छ पानी से धोकर फफूंद नाशक साफ सुपर कार्वेडाजिम (2 ग्रा./ली.) से उपचारित कर बोयें।
- धान के नींदा नियंत्रणहेतु बोता धान में अंकुरण पूर्व आक्साडार्जिल या पाइराजो सल्पुरान इथाइल या ब्यूराक्लोर या पेन्डी मेंथिन का प्रयोग करें।
- भूमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें। धान की कतार बोनी तथा खुरी बोनी करें।

उद्यानिकी

- नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर रोपनीबना लेंवें। सब्जियों की पौधशाला हेतु क्यारी निर्माण, भूमि उपचार एवं क्यारियों में बीजों की बुवाई करे।
- बरसात की फसल हेतु कद्दूवर्गीय सब्जियों के बीजों की बुवाई करें।
- टमाटर, मिर्च, बैगन एवं फलगोभी की नर्सरी तैयार करें।

पशुपालन

- ब्याने वाले पशुओं को प्रसुति बुखार से बचाव के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें।
- पशु ब्याने के एक से दो घण्टे के अन्दर नवजात बछड़े बछड़ियो को पेऊश अवश्य पिलायें।
- नवजात बछड़े बछड़ियों को 10-15 दिन की आयु परसिंग रहित करवायें।
- पशुओं को संक्रामक रोगों के रोग रोधी टीके समय समय पर अवश्य लगवायें।